संपूर्ण भारत के लिए एक प्रकाशन

दैनिक घटती घटना

RNI Reg.No.-CHHHIN/2004/15050
Postal Reg.No.-13/Surguja DN/2023-2025

Www.ghatatighatana.com

Ghatatighatana11@gmail.com

अम्बिकापुर,वर्ष 20,अंक -282 सोमवार ,12 अगस्त 2024 , पृष्ठ - 8 मूल्य 2 रूपये

छत्तीसगढ़ सरकार भरी बरसात में आशियाना उजाड़ दिए...पर इंकलाब होता रहेगा इंसाफ तक...अब तो बताईए मुख्यमंत्री जी...क्या छापें ?

कलम बंद...का तैंतालीसवां दिन

» छत्तीसगढ़ की विष्णुदेव साय सरकार क्या गैर संवेदनशील सरकार है... ?

» सरकार को कमियां ना दिखाएं तो क्या दिखाएं... ?

» क्या विष्णुदेव साय सरकार बेहतर चल रही है...सिर्फ यह बात आईएएस लॉबी को पता है...आम जनता को नहीं है जानकारी... ?

» किसी का दिव्यांग प्रमाण-पत्र फर्जी वह करता है मंत्री के घर मनमर्जी,दिव्यांग मांग रहे अधिकार क्या उन्हे दोगे न्याय प्रदेश के कर्णधार ?

» क्या फर्जी दिव्यांग और फर्जी डिग्री के आधार पर जो कर रहे नौकरी उन्हे होगी जेल...उन्हें मिल सकेगा संकल्प पत्र अनुसार दण्ड... ?

क्या प्रदेश के स्वास्थ्य मंत्री के लिए पूरे प्रदेश के लोगों से ऊपर उनके भतीजे हैं ?

स्वास्थ्य मंत्री ने पत्रकारों को संरक्षण देने की बात कही...वहीं दूसरी तरफ भ्रष्टाचार पर जनसंपर्क अधिकारी को आगे कर समाचार-पत्र पर दबाव बनाने का कर रहे वह काम...ये कैसा संरक्षण ?
कैसे पत्रकारों को मिलेगी सुरक्षा...कैसे समाचार-पत्र रह सकेंगे निष्पक्ष...जब उन्हे सच लिखने पर मिलेगी सजा ?

क्या छापें माननीय मुख्यमंत्री जी ?

छत्तीसगढ़ के राज्यपाल महामहिम श्री रेमन डेका से हस्तक्षेप की मांग...
क्या छापें आयुक्त सहसंचालक आईपीएस मयंक श्रीवास्तव साहब ?
स्पष्ट कीजिए माननीय प्रधानमंत्री जी,स्पष्ट कीजिए माननीय मुख्यमंत्री जी छत्तीसगढ़ शासन,स्पष्ट कीजिए माननीय स्वास्थ्य मंत्री जी छत्तीसगढ़ शासन...
गृहमंत्री जी,भारत सरकार क्या छत्तीसगढ़ में भ्रष्टाचार को लेकर खबर प्रकाशन पर होगी समाचार पत्र पर कार्यवाही ?

तुगलकी फरमान के विरूद्ध कलमबंद अभियान...

छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री के विभाग जनसंपर्क के द्वारा स्वास्थ्य मंत्री श्री श्यामबिहारी जायसवाल के विभाग से संबंधित समाचारों के प्रकाशन पर जनसंपर्क संचनालय के आयुक्त सह संचालक आईपीएस श्री मयंक श्रीवास्तव के मौखिक आदेश पर घटती-घटना के शासकीय विज्ञापन पर रोक लगाकर दबाव बनाने से लोकतंत्र के चौथे स्तंभ के मूलभूत हक पर कुठाराघात के विरूद्ध कलमबंद अभियान...प्रशासनिक अत्याचार झेलने के बावजूद है जारी।

घटती-घटना के स्नेही पाठकों,विज्ञापनदाताओं एवं शुभचिंतकों को हो रही असुविधा के लिए खेद है...

संपादक :- अविनाश कुमार सिंह

खुला पत्र

आखिर कलम बंद करने के लिए एक अखबार को किसने किया मजबूर...

-रवि सिंह-

छत्तीसगढ़ के सरगुजा संभाग के दैनिक घटती-घटना अखबार को आखिरकार कलम बंद क्यों करना पड़ा..? यह सवाल सभी के जेहन में आ रहा होगा, तो हम आपको बताना चाहेंगे कि दैनिक घटती-घटना अखबार सदैव ही लोगों के लिए सच्ची खबर प्रकाशित करने का काम करता है...सरकार किसी की भी हो...उन्हें कमियां दिखाने का काम करता रहा है... पिछली सरकार में भी सच लिखने का काम दैनिक घटती-घटना ने किया था, उस समय भी परेशानियों का सामना संपादक सहित पत्रकारों को अखबार को करना पड़ा था, लेकिन उस समय परेशानियों का सामना मुकदमों से करना पड़ा था। कई मामले कानूनी दर्ज होने के तौर पर करना पड़ा था। वहीं इस बार आर्थिक क्षति के तौर पर अखबार के संपादक को नुकसान झेलना पड़ा है । भारत के लोकतंत्र में चौथा स्थान पत्रकारिता का आता है जिसे निष्पक्षता के साथ करना अत्यंत जरूरी है, ताकि देश में संतुलन बना रहे । जो काम दैनिकघटती-घटना बखूबी करता भी है, सत्ता परिवर्तन हुआ और नई सत्ता आई पर कमियों को दैनिक घटती-घटना ने प्रकाशित करना शुरू किया,जब पुरानी सरकार की कमियों को प्रकाशित किया गया था तब जनता ने नई सरकार चुनने का फैसला लिया और जब आज नई सरकार जनता के हित के लिए चुनी गई तो आज यह सरकार भी जनता के हित के लिए काम नहीं कर रही है। जिन कमियों को दिखाने का काम एक बार फिर दैनिक घटती-घटना ने शुरू किया, प्रदेश के स्वास्थ्य मंत्री जो दैनिक घटती-घटना की खबरों की ही देन है उनसे जुड़ी कमियों को अखबार ने जब दिखाना शुरू किया तो उन्हें यह बात रास नहीं आई और उन्होंने अपनी कमियां दूर करने के बजाय दैनिक घटती-घटना को दबाने के लिए उन्हें आर्थिक नुकसान पहुंचाने के लिए शासकीय विज्ञापन पर रोक लगाया जिसका निर्देश उन्होंने मौखिक दिया गया जो न्यायोचित नहीं था और जो शासन की योजनाएं थी उस विज्ञापन को रोका गया जो पैसा भी शासन का था ना कि किसी मंत्री या अधिकारी के घर का, विज्ञापन रोकने में भी इतनी तत्परता दिखाई गई की नियमों को भी दरकिनार किया गया, इसके बाद भी दैनिक घटती-घटना कमियों की खबर प्रकाशित करता रहा,और लोकतंत्र को दबाया ना जाए इसके लिए दैनिक घटती-घटना ने 1 जुलाई से कलम बंद अभियान की शुरुआत की ताकि लोकतंत्र का चौथा स्तंभ हमेशा ही स्वतंत्रता के साथ काम कर सके। दैनिकघटती-घटना अखबार इस अभियान को सिर्फ अपने लिए शुरू नहीं किया लोकतंत्र के चौथे स्तंभ को बचाने के लिए इस अभियान को शुरू किया...ताकि जहां पर प्रेस ऑफ फ्रीडम का स्थान भारत में 169 वां है जो काफी शर्मनाक है और इस और देश के सर्वोच्च न्यायालय व देश के प्रधानमंत्री को सोचना चाहिए,और यह भी सोचना चाहिए कि जिस देश में प्रेस ऑफ फ्रीडम की स्थिति अच्छी है वहां पर उस देश की भी स्थिति अच्छी है। लोकतंत्र पर दबाव बनाने के लिए प्रदेश के अखबार के प्रतिष्ठान पर कार्यवाही सहित शासकीय विज्ञापन की रोक कहीं ना कहीं लोकतंत्र को कुचलना भी लोगों की आवाज को दबाने का ही प्रयास जैसा है,दैनिक घटती -घटना के कलमबंद अभियान के तहत प्रदेश के मुख्यमंत्री स्वास्थ्य मंत्री और संयुक्त संचालनालय जनसंपर्क के उपसंचालक मयंक श्रीवास्तव से शासकीय विज्ञापन बंद करने को लेकर सवाल पूछा कि आखिर क्या छापें जिससे आपको बुरा ना लगे पर यह बात भी सरकार को नागवार गुजरी और सरकार ने और बड़ा कदम उठाया ताकि लोकतंत्र का चौथा स्तंभ कुचला जा सके। कलमबंद अभियान के तहत 28 दिनों से प्रदेश के जिम्मेदार व प्रदेश की बेहतरी के लिए जिनके हाथों में कमान है उनसे सवाल किया गया पर वह सवाल को भी बर्दाश्त नहीं कर पाए और 28 में दिन दैनिक घटती-घटना के संस्थान पर बुलडोजर चलवा दिया,बुलडोजर चलवाना भले ही लोकतंत्र को कुचलने के लिए आसान लगा हो पर बुलडोजर चलने की आवाज भी पूरे देश में गूंज गई पूरे देश में छत्तीसगढ़ सरकार की तानाशाही दिख गई लोकतंत्र की हत्या करने का प्रयास दिख गया,पर नहीं दिख सकी तो सरकार की संवेदना सरकार ने यह बता दिया कि उनके अंदर संवेदना बिल्कुल नहीं है क्योंकि जिस समय कार्यवाही की गई वह समय संपादक के घर पर शोक का था पर शोक के समय में सरकार ने कार्यवाही करके हिंदूवादी पार्टी होने के दावे को भी झुठला दिया। अखबार जो कमियों को दिखा रहा था वह कमी वाकई में सरकार की छवि को खराब कर रही थी सरकार अखबार की खबरों पर संज्ञान लेकर अपनी छवि को बेहतर कर सकती थी उनके मंत्री अपनी छवि को बेहतर कर सकते थे पर अपनी छवि बेहतर करने के बजाय अपनी छवि को और खराब करने का सरकार का प्रयास सरकार के लिए ही गले की फांस बन गई। जो स्वास्थ्य मंत्री का विपक्ष में रहते हुए बड़ा नाम था वहीं स्वास्थ्य मंत्री को सत्ता मिलते ही उस नाम को सरे बाजार नीलाम कर लिया और वह भी सिर्फ अपने विवादित कर्मचारी की वजह से यहां तक की संघ को भी उन्होंने नहीं छोड़ा। इस लेख के माध्यम से हम यह भी जानना चाहेंगे की क्या कलम बंद अभियान चलाकर एक अखबार ने गलत किया या फिर पूरे देश के लोकतंत्र को बचाने का प्रयास किया इस पर आपकी क्या राय है यह भी जरूर दें।

समाचार पत्र में छपे समाचार एवं लेखों पर सम्पादक की सहमति आवश्यक नहीं है।
हमारा ध्येय तथ्यों के आधार पर सटिक खबरें प्रकाशित करना है न कि किसी की भावनाओं को ठेस पहुंचाना।
सभी विवादों का निपटारा अम्बिकापुर न्यायालय के अधीन होगा।

खुला पत्र

भ्रष्ट सूरमाओं की लग रही थी खबर जो नहीं कर पाए बर्दाश्त... ऐसे बौखलाए कि गिरा दिए संस्थान...फिर भी खबर का प्रकाशन जारी...अब जान लेने की है बारी...?

» सत्ता के नशे में भ्रष्ट सुरमा...अपने आप को काफी शक्तिशाली समझ बैठे... और वह किया जिसकी प्रदेश में कल्पना भी नहीं की जा सकती थी...

» भ्रष्ट सूरमाओं को नहीं आई शर्म...इतने बड़े निकले बेशर्म...कि शोक की बेला का भी नहीं रखा उन्होंने ध्यान...

-रवि सिंह-

रायपुर/अंबिकापुर, 11अगस्त 2024 (घटती-घटना)। भ्रष्ट सूरमा किसे कहा जाता है,इसकी संज्ञा की व्याख्या करना उतना जरुरी नहीं है, क्योंकि लगभग लोग इस वाक्य को समझ सकते हैं इसका अर्थ निकाल सकते हैं। भ्रष्ट सूरमाओं की बात इसलिए हो रही है...क्योंकि भ्रष्ट सूरमाओं को मिल गया है सत्ता...और सत्ता में मिल गया है कैबिनेट...और कैबिनेट मिलने वाले के तंत्र भी है भ्रष्ट सूरमा...। जब भ्रष्ट सूरमाओं की खबर लगती है... तो यह अपने आप को सत्ता की ताकत में बहुत ताकतवर समझ बैठते हैं...और यह समझ बैठे हैं कि उनसे बड़ा ताकतवर तो कोई नहीं है...उन्हें कोई भी हरा नहीं सकता... उन्हें कोई भी झुका नहीं सकता...उस समय इनका घमंड रावण के घमंड से भी ऊपर होता है। पर शायद यह भूल जाते हैं कि जब रावण का घमंड टूट सकता है...तो फिर सत्ता के नशे में चूर भ्रष्ट सूरमाओं का क्या होगा... प्रदेश के एक संभाग में लोकतंत्र को कुचलने के लिए भ्रष्ट सूरमाओं का किया गया प्रयास कहीं ना कहीं उन्हीं के गले की फांस बन गया है। जनता के सामने बेनकाब हो गए हैं। वह अपनी ताकत का परिचय उन्होंने तब दिया...जब सामने वाला व्यक्ति घायल अवस्था में था... और उसके बाद इतने खुश हैं कि उन्होंने कितनी बड़ी जंग जीत ली है...। वह भी लोकतंत्र के चौथे स्तंभ को कुचलकर उसके मुंह को दबाकर इसके बाद भी कलम नहीं रोक पा रहें हैं...तो अब क्या जान लोगे...? अपनी पूरी ताकत दिखाने के बाद भी अपनी खबरों को अपनी कमियों को छापने से नहीं बचा पा रहे...पूरे प्रदेश की किरकिरी हो रही फिर भी आडंबर जारी है।

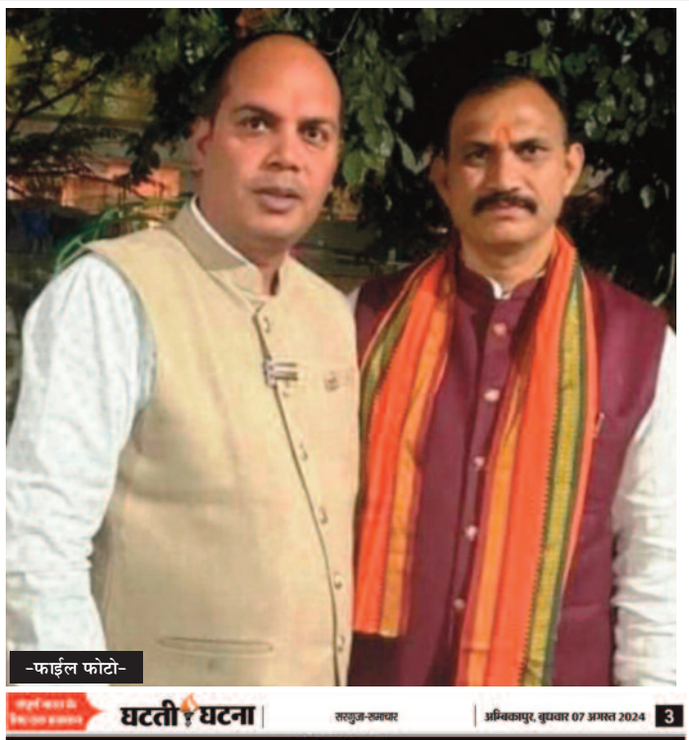

बताना जरूरी है की प्रदेश के स्वास्थ्य विभाग और स्वास्थ्य मंत्री के भतीजे प्रभारी डीपीएम सूरजपुर साथ ही उनके ओएसडी को लेकर सरगुजा अंचल का दैनिक घटती -घटना समाचार-पत्र लगातार समाचार प्रकाशित कर रहा था जिसका तथ्य यह था की प्रभारी डीपीएम सूरजपुर की डिग्री फर्जी है जिसका आरोप एक व्यक्ति ने लगाया है और उनकी बर्खास्तगी की वह मांग कर रहा है। कानूनी दंड वह उसके विरुद्ध चाहता है । कोरिया जिले में रहते हुए भी प्रभारी डीपीएम स्वास्थ्य मंत्री के भतीजे के विरुद्ध भ्रष्टाचार के आरोप थे वहीं स्वास्थ्य मंत्री के ओएसडी की नौकरी भी फर्जी दिव्यांग प्रमाण-पत्र के आधार पर लगी है और जिसकी शिकायत दिव्यांग संघ नामजद कर रहा है कि किस तरह राज्य प्रशासनिक सेवा का अधिकारी संजय मरकाम जो फिलहाल स्वास्थ्य मंत्री का ओएसडी है वह शासकीय सेवक एक अधिकारी बतौर सेवा प्रदान कर रहा है। वहीं स्वास्थ्य मंत्री के कार्यकाल में किस तरह स्वास्थ्य सुविधाओं का प्रदेश में बुरा हाल है और स्वास्थ्य व्यवस्था प्रदेश की चरमरा गई है और इन्हीं खबरों से स्वास्थ्य मंत्री आहत हो गए और उन्होंने दैनिक घटती-घटना समाचार-पत्र का पहले शासकीय विज्ञापन बंद कराया और बाद में शासन स्तर से एक कानून लाकर वहीं जिला प्रशासन सरगुजा को आगे करके दैनिक घटती-घटना कार्यालय और संपादक के प्रतिष्ठान को जमींदोज करा दिया। वहीं जब इसके बाद भी समाचार-पत्र का विरोध बंद नहीं हुआ और सत्य का प्रकाशन जारी रहा। यह कयास लगाए जा रहे हैं कि अब कोई व्यक्तिगत शारीरिक क्षति संपादक या संवाददाता को पहुंचाई जा सकती है जिसकी संभावना अब प्रबल है। वैसे दैनिक घटती-घटना का सत्य प्रकाशन का अभियान जारी है और वह इसे जारी भी रखने वाली है भले ही अब परिणाम जो सामने आए।

वैसे जिस प्रदेश सरकार खासकर सरकार के स्वास्थ्य मंत्री ने खबरों से आहत होकर समाचार-पत्र को ही नेस्तनाबूत करने का फैसला तत्काल ले लिया वहीं स्वास्थ्य मंत्री और वही प्रदेश सरकार उन भ्रष्ट दो लोगों पर कार्यवाही नहीं कर पा रही है जिनकी यदि आज जांच की जाए तो वह पहले नौकरी से जायेंगे वहीं वह जेल भी जायेंगे क्योंकि उनका कृत्य ही कूट रचना कर नौकरी पाने का है इनमें से एक खुद स्वास्थ्य मंत्री का भतीजा है जिसकी डिग्री फर्जी होने का दावा साथ ही लिखित मय सबूत शिकायत की जा चुकी है वहीं उनके ही ओएसडी जो फर्जी दिव्यांग प्रमाण-पत्र के आधार पर राज्य प्रशासनिक सेवा का अधिकारी है। वैसे यदि इन दो लोगों पर कठोर कार्यवाही करने उपरांत प्रदेश सरकार दैनिक घटती-घटना कार्यालय पर संपादक पर कार्यवाही करती समझ में आता की सरकार सुशासन वाली है और वह न्याय की पक्षधर है भ्रष्टाचार के खिलाफ है लेकिन सरकार ने भ्रष्टाचारियों फर्जी डिग्री धारियों को बचाने के लिए समाचार-पत्र पर ही कार्यवाही कर दी जिससे उसकी मंशा समाने आ गई है कि वह अब भ्रष्टाचार के साथ आगे बढ़ने वाली है। वैसे वर्तमान सरकार इस घोषणा के साथ सत्ता प्राप्त कर सकी है कि वह भ्रष्टाचार की जांच करेगी 100 दिवस में कार्यवाही करेगी। वहीं यह सरकार फर्जी नियुक्तियों को लेकर भी जांच करेगी और कठोर कार्यवाही दंडात्मक करेगी लेकिन दो मामलों में सरकार जब सत्य प्रकाशित करने वाले समाचार-पत्र के खिलाफ ही कार्यवाही करने उतारू हो गई तब समझा जा सकता है कि सरकार की मंशा क्या है वह भ्रष्ट तरीके से नौकरी पाने वालों के ही पक्ष में है उनके साथ है जिनमे एक स्वास्थ्य मंत्री का भतीजा है एक उनका ओएसडी। अब यह समझा जा सकता है की प्रदेश में अब बेरोजगार रोजगार पाए न पाए योग्य व्यक्ति नौकरी पाए न पाए वर्तमान सरकार में लेकिन फर्जी डिग्री वालों के साथ है सरकार फर्जी दिव्यांग प्रमाण-पत्र वालो के साथ है सरकार।

-फाईल फोटो-

कलम बंद...का तैंतालीसवां दिन

?

कलम बंद...का तैंतालीसवां दिन

घटती-घटना के स्नेही पाठकों,विज्ञापनदाताओं एवं शुभचिंतकों को हो रही असुविधा के लिए खेद है...

संपादक :- अविनाश कुमार सिंह

डॉ . डी. के सोनी कई पुरूस्कार व अवार्ड से नवाज़े जा चुके हैं

सरगुजा संभाग एवं छत्तीसगढ़ राज्य में गरीब आदिवासियों को न्याय दिलाने का कार्य किया गया जिसके फलस्वरूप उन्हें वर्ष 2017 में फोरम फॉर फास्ट जस्टिस संस्था मुम्बई के द्वारा हैदराबाद में आयोजित कार्यक्रम में विधि मंत्री एवं जस्टिस के हाथों ओपी मोगा नेशनल अवार्ड प्रदान किया गया।

राष्ट्रीय मानव अधिकार संसाधन विकास संस्था के द्वारा 14/01/2021 को पूर्व राज्यमंत्री उत्तरप्रदेश श्री भत्ते चंदिया के द्वारा वाराणसी के सारनाथ में छत्तीसगढ़ राज्य में मानव अधिकार के संबंध में तथा आदिवासी वर्ग के लोगों के हितों में उत्कृष्ट कार्य करने के हेतु राष्ट्रीय अवार्ड से सम्मानित किया गया।

ग्लोबल स्कोलर फाउंडेशन के द्वारा 28/08/2022 को भारतीय रत्न अवार्ड के तहत पूणे महाराष्ट्र में डॉ.जी पद्माजी रेड्डी के द्वारा विधिरत्न से बेस्ट एडवोकेट का एवार्ड प्रदान किया गया।

डब्ल्यू वी आर कॉर्प के द्वारा आइकोनिक अचेवर्ड के तहत 15/10/2022 को मुम्बई के होटल हॉलिडे ईन में भारतीय टीम के पूर्व क्रिकेटर श्री संदीप पाटिल एवं फिल्म एवं टीवी एक्टर श्री शक्ति अरोरा के हाथो बेस्ट सामाजिक कार्यकर्ता का अवार्ड प्रदान किया गया।

नेशनल हयूमन राईटस ऑर्गेनाइजेशन भारत सरकार के द्वारा इंटरनेशन एचिवर्ड के माध्यम से 21/11/2022 को अमृतसर के होटल रेडिशन ब्लू में पंजाब के पूर्व उप मुख्यमंत्री ओपी सोनी तथा केनिया देश के अम्बेस्टर श्री पेट्रिक के हाथों बेस्ट सामाजिक एवं आरटीआई कार्यकर्ता का इन्टरनेशन एचिवर्ड अवार्ड दिया गया।

नेशनल एन्टी हरेशमेन्ट ऑर्गेनाइजेशन के द्वारा 11/12/2022 को भोपाल में मेजर जनरल तेजपाल सिंह रावत एवं फिल्म एक्टर अरुण बक्शी के हाथों बेस्ट आरटीआई कार्यकर्ता का भारतभूषण सम्मान अवार्ड दिया गया।

इंटरनेशन ह्यूमन राईट एवं क्राईम कन्ट्रोल काउसिंल तथा नेशनल एन्ट्री करप्शन के द्वारा 21 जनवरी 2023 को अद्भुत भारत सम्पन्न भारत आत्मनिर्भर भारत के तहत गोवा के पार्क रेगिस होटल में मलेशिया देश की प्रतिनिधि स्वाति एवं इन्टरनेशन ह्यूमन राईट एवं क्राईम कन्ट्रोल काउसिंल के आकाक्षा विद्यार्थी के हाथो पृथ्वी रत्न अवार्ड प्रदान किया गया।

हयूमन प्राइड ग्रुप के द्वारा कॉन्स्टिटयूशन क्लब ऑफ इंडिया दिल्ली में 13 फरवरी 2023 को बेस्ट आरटीआई कार्यकर्ता का अवार्ड मिस इंडिया 2013 सिमरन अहूजा, बिग बी जुनियर अरूण अरोडा तथा भारतीय नमो संघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष के हाथों प्रदान किया गया।

डब्ल्यूबीआर कॉर्प संस्था के द्वारा 17/2/2023 को दिल्ली के रेडिशन ब्लू हॉटल में दृश्यम 2 की एक्ट्रेस इंशिता दत्ता के हाथो मोस्ट प्रॉमिसिंग कंज्यूमर राइट्स एक्टिविस्ट ऑफ द ईयर का अवार्ड प्रदान किया गया।

वर्ल्ड चेरिटेबल फाउडेशन संस्था के द्वारा 30/6/2023 को विशाखापट्टनम के पब्लिक लाइब्रेरी हॉल में आंध्रप्रदेश की एक्ट्रेस संध्या रानी नायक और शिल्पा नायक के हाथों बेस्ट सोशल वर्कर का अवार्ड प्रदान किया गया।

ग्लोबल चेंबर ऑफ कंज्यूमर राइटस एवं किक्राफ्ट प्रोडक्शन के द्वारा 15/7/2023 को हॉटल विवान्ता इन ताज द्वारिका में पाण्डुचेरी की पूर्व राज्यपाल एवं देश की पहली महिला आईपीएस किरण बेदी के हाथो इंडिया आइकोनिक बेस्ट सोशल जस्टिस 2023 अवार्ड प्रदान किया गया।

इसी माह पिछले दिनों 6 अगस्त 2023 को ग्रो भारत फाउन्डेशन के द्वारा भारत श्री राष्ट्रीय सम्मान 2023 का बेस्ट आरटीआई कार्यकर्ता का अवार्ड फिल्म एक्टर गुस्ताख खान, ले.जनरल बी.एस सिसोदिया इंडियन आर्मी एवं एयर मार्शल श्री शशि खेर चौधरी के हाथों मध्य प्रदेश इन्दौर के वॉव हॉटल में प्रदान किया गया।

दिनांक 10.01.2023 को आईएनएच चैनल एवं हरिभूमि के कार्यक्रम में आईएनएच चैनल के प्रमुख हिमांशु द्विवेदी छ.ग. शासन के नेता प्रतिपक्ष नारायण चंदेल एवं छ. ग. शासन के पूर्व गृहमंत्री रामविचार नेताम जी के करकमलों द्वारा सेवा समर्पण हेतू सम्मानित किया

दिनांक 27 अगस्त 2023 को ग्लोबल स्कॉलर्स पुणे के द्वारा बेस्ट आर टी आई कार्यकर्ता का विशेष सम्मान पदमश्री गिरीश प्रभुने के करकमलों द्वारा प्रदान किया गया

दिनांक 12.10.2023 को प्राइम टाइम रिसर्च मिडीया प्राइवेट लिमिटेड के द्वारा सर्विस एक्सीलेंस सोशल एंड आर टी आई एक्टिविस्ट फॉर्म छ.ग. का अवार्ड श्री सुनील गवास्कर के करकमलों के द्वारा होटल रेजिडेंट ब्लू में आयोजित कार्यक्रम में प्रदान किया गया

12 अगस्त

स्वर्णकार वेलफेयर एसोसिएशन के प्रदेश अध्यक्ष
सरगुजा सोसायटी फॉर फास्ट जस्टिस के अध्यक्ष, आरटीआई एक्टिविस्ट, समाजसेवी एवं अधिवक्ता

डॉ. डी.के. सोनी जी

को जन्मदिवस की हार्दिक शुभकामनायें

विनीत : समस्त मित्रगण एवं शुभेच्छु, जिला - सरगुजा

डॉ. डी. के सोनी कई पुरूस्कार व अवार्ड से नवाज़े जा चुके हैं

दिनांक 30.11.2023 को डब्ल्यू बी आर कॉर्प द्वारा आयोजित कार्यक्रम में वर्ल्डकप 1983 टीम के क्रिकेटर श्री संदीप पाटिल एवं सुप्रसिद्ध टीवी एक्टर रोहित्संग गौर के करकमलों के द्वारा मुम्बई के होटल होलिडे इन में मोस्ट प्रॉमेशन सोसल वर्कर इन छ.ग. फॉर ट्रायबल का अवार्ड प्रदान किया गया।

दिनांक 17.12.2023 को ग्लोबल चेम्बर्स ऑफ कन्ज्यूमर राईटस एवं किट क्राफस के द्वारा आयोजित कार्यक्रम में सुप्रीम कोर्ट के पूर्व जस्टिस कूरियन जोसेफ और पूर्व केन्द्रीय मंत्री एस. कृष्ण कुमार आईएस के करकमलों से इन्टरनेशनल एक्सीलेंस बेस्ट एडवोकेट ऑफ द ईयर का अवार्ड दिल्ली के विवान्ता इन ताज होटल में प्रदान किया गया।

दिनांक 19.12.2023 को इन्टरनेशनल हयूमन राईटस एवं क्राईम कंट्रोल कॉन्सिल तथा एंटीकरप्शन कमीशन के द्वारा आयोजित कार्यक्रम में उत्तराखंड प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री एवं वर्तमान सांसद तीरथ सिंह रावत के करकमलों द्वारा दिल्ली के होटल क्राउन प्लाजा में नेशनल प्राइड अवार्ड प्रदान किया गया।

दिनांक 21.12.2023 को भारत गौरव रत्न सम्मान कॉन्सिल के द्वारा दिल्ली के होटल अशोका इन ताज में आयोजित कार्यक्रम में बीजेपी ओबीसी के मोर्चा के दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष एवं नरसिंह यादव इन्टरनेशनल रेसलर के करकमलों द्वारा बेस्ट आरटीआई एक्टिविस्ट का अवार्ड प्रदान किया गया।

दिनांक 20.01.2024 को टाइम्स एप्लाईड प्राईवेट लिमिटेड के द्वारा मुम्बई के होटल जिंजर में आयोजित कार्यक्रम में फिल्म एक्अर सुनील सेट्ठी के करकमलों द्वारा बेस्ट सामाजिक कार्यकर्ता का अवार्ड प्रदान किया गया।

दिनांक 28.01.2024 को पंडित दीनदयाल उपाध्याय हिन्दी विद्यापीठ वृन्दावन मथुरा (उ.प्र.) के द्वारा दिल्ली के कॉन्सिटयूशन क्लब ऑफ इंडिया में सूचना के अधिकार विधि में (विद्या वाचस्पति, डॉक्टरेट) की उपाधि केन्द्रीय विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति पद्मश्री डॉ. अरविन्द कुमार एवं राष्ट्रीय कथा वाचक सुश्री दीपा मिश्रा के करकमलों से प्रदान किया गया।

दिनांक 25/02/2024 को होटल रेडिशन ब्लू दिल्ली में आयोजित कार्यक्रम में डी.के.सोनी को पदम् श्री अर्जुन सिंह धुर्वे और एम.पी. के पूर्व मंत्री ओंकार सिंह मरकाम के करकमलों से राष्ट्र का गौरव सम्मान दिया गया।

सुप्रीम कोर्ट के पूर्व जस्टिस तथा छत्तीसगढ़ के पूर्व चीफ जस्टिस अनंग कुमार पटनायक जी के करकमलों से दिनांक 24.02.2024 को होटल लिमैन ट्री में आयोजित फेमस 60 अंडर 60 अर्वाड 2024 के कार्यक्रम में डॉ. डी. के. सोनी जी को मिला डायनेमिक एडवोकेट ऑफ द ईयर का अवार्ड।

भारत ध्वज महोत्सव के राष्ट्रीय सम्मेलन और सम्मान समारोह में दिनांक 09.03.2024 दिन शनिवार को द मेट्रोपोलिटन होटल दिल्ली में इंटरनेशनल हयूमन राइट एवं क्राइम कंट्रोल कौंसिजल तथा नेशनल एंटी क्रप्शन के द्वारा बेस्ट आर. टी. आई. कार्यकर्ता का अवार्ड प्रसिद्ध कॉमेडियन अहसान कुरैशी के करकमलों से प्राप्त किया।

पार्थ इवेंट अम्बिकापुर के द्वारा दिनांक 03.04.2024 को होटल पर्पल आर्चिड में फिल्म एक्ट्रेस रितु शिवपुरी के हाथों डॉ. डी. के. सोनी जी को बेस्ट आर.टी.आई. कार्यकर्ता और एडवोकेट का अवार्ड दिया गया।

हैदराबाद के तुर्की एम्बेसी में तुर्की और अमेरिका के एंबेसडर के करकमलों से डॉ. डी. के. सोनी को दिनांक 06.03.2024 को मिला इंडियन एक्सीलेंस अवार्ड।

दिनांक 10.03.2024 को दिल्ली के रेडिशन ब्लू होटल में प्राईम टाईम मीडिया के द्वारा आयोजित कार्यक्रम में डॉ. डी.के. सोनी को श्री वीरेन्द्र सहवाग (क्रिकेटर) के करकमलों से ग्लोबल आइकॉन अवार्ड दिया गया।

डॉ. डी. के . सोनी का दिनांक 09.06.2024 दिन रविवार को इंदौर मे वर्ल्ड अगेंस्ट करप्शन पीपल काउंसिल और विश्व भ्रष्टाचार निरोधक परिषद के द्वारा बेस्ट आर.टी.आई. एक्टीविस्ट का अवार्ड फिल्म एक्अर रंजीत जी के कर कमलों से प्रदान किया गया।

डॉ. डी. के. सोनी को यूनाईटेड नेशंस ग्लोबल पीस काउंसिल के द्वारा बेस्ट लॉयर एंड आर.टी.आई. एक्टिविस्ट ऑफ द ईयर 2024 का दिया गया अवार्ड। दिनांक 28.07.2024 को जापान के टोकियों में दिया गया अवार्ड

डॉ. डी.के.सोनी को दिनांक 09.06.2024 दिन रविवार को इंदौर मे वर्ल्ड अगेंस्ट करप्शन पीपल कांउसिल और विश्व भ्रष्टाचार निरोधक परिषद के द्वारा बेस्ट आर.टी.आई. एक्टीविस्ट का अवार्ड विंदू द्वारा सिंह जी के कर कमलों से प्रदान किया गया।

जापान के टोकियो में सम्मानित हुए डॉ. डी. के. सोनी को युनाईटेड नेशंस ग्लोबल पीस काउंसिल के द्वारा बेस्ट लॉयर एंड आरटीआई एक्टिविस्ट ऑफ द ईयर 2024 का दिया गया अवार्ड।

स्वर्णकार वेलफेयर एसोसिएशन के **प्रदेश अध्यक्ष**
सरगुजा सोसायटी फॉर फास्ट जस्टिस के अध्यक्ष, आरटीआई एक्टिविस्ट, समाजसेवी एवं अधिवक्ता

12 अगस्त

डॉ. डी.के. सोनी जी

को जन्मदिवस की हार्दिक **शुभकामनायें**

विनीत : समस्त मित्रगण एवं शुभेच्छु, जिला - सरगुजा

खुला पत्र

क्या भ्रष्टाचार का मामला वहीं होगा दर्ज जहां होगी भाजपा से इतर दल की सरकार?

» भ्रष्टाचार की खबरों से दिक्कत...
» कमी दिखाओ तो दिक्कत...
» जनता की परेशानियों को दिखाओ तो दिक्कत...

अम्बिकापुर, 11 अगस्त 2024(घटती-घटना)। आखिर लोकतंत्र का चौथा स्तंभ करें तो क्या करें? सरकारी तंत्र भ्रष्टाचार की ओर बढ़ रहे भ्रष्टाचार को उजागर करने पत्रकार दौड़ रहा पर पत्रकार की दौड़ के पीछे निर्वाचित जनप्रतिनिधि उसकी दौड़ की गति को कम करने का प्रयास कर रहे हैं,भ्रष्टाचार बढ़ता रहे पर पत्रकार ना दिखाएं क्या यही चाहता है जनप्रतिनिधि या फिर सरकारी तंत्र।

क्या छापें माननीय मुख्यमंत्री जी?

घटती-घटना के स्नेही पाठकों,विज्ञापनदाताओं एवं शुभचिंतकों को हो रही असुविधा के लिए खेद है...

संपादक :- अविनाश कुमार सिंह

केशव महाराज बने दूसरे साउथ अफ्रीकी के दूसरे बड़े खिलाड़ी

अर्जेन्टाईना,11 अगस्त 2024। साउथ अफ्रीका की टीम अभी वेस्टइंडीज के दौरे पर है जहां पर वह मेजबान टीम के खिलाफ 2 मैचों की टेस्ट सीरीज खेल रही है।

दोनों टीमों के बीच सीरीज का पहला मुकाबला त्रिनिडाड के पोर्ट ऑफ स्पेन मैदान में खेलना जा रहा है, जिसके चौथे दिन का खेल खत्म होने पर साउथ अफ्रीकी टीम के पास 154 रनों की बढ़त हासिल हो चुकी थी। इस मैच के चौथे दिन अफ्रीकी टीम के गेंदबाज केशव महाराज का शानदार प्रदर्शन देखने को मिला जिसमें उन्होंने 4 विकेट हासिल किए, इसी के साथ वह एक खास कारनामा भी करने में कामयाब हो गए।वेस्टइंडीज के खिलाफ त्रिनिडाड टेस्ट मैच के चौथे दिन साउथ अफ्रीका टीम की तरफ से केशव महाराज का जलवा देखने को मिला जिसमें उन्होंने मेजबान टीम की पहली पारी को 233 रनों के स्कोर पर समेटने में अहम भूमिका निभाई। केशव ने 40 ओवर्स की अपनी गेंदबाजी में जहां 15 ओवर्स मेडन फेंके तो वहीं 76 रन देते हुए 4 विकेट हासिल किए। इसी के साथ केशव महाराज ने इंटरनेशनल क्रिकेट के तीनों फॉर्मेट मिलाकर अपने 250 विकेट भी पूरे कर लिए और वह साउथ अफ्रीका की तरफ से इस मामले में दूसरे स्पिन गेंदबाज बन गए हैं।

उसने मजबूत होकर वापसी की,अभिनव बिंद्रा ने मनु भाकर के 2 ब्रॉन्ज मेडल जीतने पर कही बड़ी बात

पेरिस,11 अगस्त 2024। पेरिस ओलंपिक 2024 में भारत ने 6 मेडल जीते हैं। जिसमें एक सिल्वर और पांच ब्रॉन्ज मेडल पदक शामिल हैं। भारत के लिए जैवलिन थ्रो में नीरज चोपड़ा ने सिल्वर मेडल अपने नाम किया है। वहीं मनु भाकर ने शूटिंग में दो ब्रॉन्ज मेडल जीते हैं। वह भारत के लिए एक ही ओलंपिक में दो मेडल जीतने वाली पहली महिला प्लेयर हैं। उनसे पहले ऐसा कोई भी नहीं कर पाया था। अब साल 2008 ओलंपिक में भारत के लिए गोल्ड मेडल जीतने वाले अभिनव बिंद्रा ने मनु भाकर और नीरज चोपड़ा की तारीफ की है।

अभिनव बिंद्रा ने मनु भाकर की तारीफ की

अभिनव बिंद्रा ने इंडिया टीवी से कहा कि हमारे एथलीट ने जज्बा दिखाया। भले ही हमने केवल छह पदक जीते हैं, मुझे लगता है कि हमारे एथलीटों ने बहुत अच्छा प्रदर्शन किया है। जिन्होंने मेडल नहीं जीते। वह भी मेडल के करीब पहुंचे। मुझे नहीं लगता कि हमारे ओलंपिक में इतिहास में हमने इतने एथलीटों को पदक की प्रबल दावेदारी में देखा है। मनु भाकर ने बहुत ही शानदार प्रदर्शन किया है। उनसे कठिनाइयों का डटकर सामना किया। टोक्यो में असफलता के बाद उसे मजबूत वापसी करते हुए देखना खुशी की बात है। उसका टोक्यो ओलंपिक में एक कठिन अनुभव था लेकिन उसने दिखाया है कि वह एक वास्तविक खिलाड़ी है और कड़ी मेहनत करती रही। दो ब्रॉन्ज मेडल जीतना अच्छा है। बिंद्रा ने नीरज चोपड़ा पर कहा कि उसकी सफलता शानदार है। वह बेहरीन एथलीट है। देश को गर्व है।

ओलंपिक में ज्यादा भारतीय प्लेयर्स करें क्वॉलीफाईःबिंद्रा

अभिनव बिंद्रा ने कहा कि मुझे लगता है कि ओलंपिक में हमारे लेवल में सुधार हुआ है। मैंने ओलंपिक में भारत के एथलीट्स को इतना प्रतिस्पर्धी नहीं देखा। यह एक अच्छा साइन है। हमारे पास काफी सारे युवा प्लेयर्स हैं। हम राइट ट्रेक पर हैं। हमें और मेहनत करने की जरूरत है। पेरिस ओलंपिक में हमारे 117 प्लेयर्स ने हिस्सा लिया। लॉस एंजिल्स में होने वाले ओलंपिक में हमें भारतीय दल को बड़ा करने की जरूरत है। यदि ज्यादा प्लेयर्स ओलंपिक में क्वालीफाई करते हैं, तो मेडल जीतने के चांस ज्यादा होते हैं।

गेम क्रूर हो सकता हैः बिंद्रा

स्पोर्ट्स समय लेता है। ओलंपिक चार साल में एक बार होता है और यहां पर प्रतिस्पर्धा कठिन होती है। हमें जमीनी स्तर पर काम करने की जरूरत है। अगर हम आज शुरू करेंगे, तो उनका रिजल्ट हमें 2028 और 2032 में मिलेगा। आपको एक ऐसा माहौल बनाना होगा जो प्रदर्शन के लिए अनुकूल हो। विनेश फोगाट के लिए कहा कि यह दिल को हिलाने वाला अनुभव था। कभी-कभी खेल क्रूर हो सकता है। मुझे उसके लिए बुरा लगा है। मैं उससे मिलने गया और उससे सहानुभूति व्यक्त की। स्पोर्ट्स हमेशा नियम से चलता है। अगर नियम नहीं हैं, तो यह स्पोर्ट्स नहीं है। अब मैटर सीएएस में है।

लियोन मार्चैंड ने जीते हैं सबसे ज्यादा व्यक्तिगत गोल्ड मेडल

पेरिस,11 अगस्त 2024। पेरिस ओलंपिक 2024 में इस बार भारत की तरफ से गए हिस्सा लेने 117 एथलीट में से भले ही कोई भी गोल्ड मेडल जीतने में कामयाब नहीं हो सका, लेकिन वहीं अन्य देशों के कुछ एथलीट ऐसे भी हैं जिन्होंने एक से ज्यादा व्यक्तिगत इवेंट में गोल्ड मेडल अपने नाम किए। इस बार ग्रीष्मकालीन ओलंपिक खेलों का आयोजन फ्रांस की राजधानी में पेरिस में किया गया जिसमें गोल्ड मेडल जीतने के मामले में अमेरिका और चीन के अलावा ऑस्ट्रेलिया के एथलीट सबसे आगे रहे। वहीं व्यक्तिगत सबसे ज्यादा गोल्ड मेडल जीतने के मामले में फ्रांस के एथलीट लियोन मार्चैंड रहे जिन्होंने व्यक्तिगत स्वीमिंग के इवेंट में कुल

4 गोल्ड मेडल अपने नाम किए।

पेरिस ओलंपिक में इन एथलीट ने जीते हैं सबसे ज्यादा व्यक्तिगत गोल्ड मेडल

इस बार के ओलंपिक में फ्रांस के स्वीमिंग एथलीट लियोन मार्चैंड ने चार अलग-अलग इवेंट में सबसे ज्यादा गोल्ड मेडल जीते हैं। 22 साल के लियोन मार्चैंड की तुलना महान स्वीमिंग एथलीट माइकल फेल्प्स से की जाती है और उन्होंने इस बार ओलंपिक में इसे साबित भी किया। लियोन मार्चैंड ने 2 गोल्ड मेडल सिर्फ 2 घंटे के अंतराल में ही जीते। इसके अलावा दूसरे नंबर पर कई एथलीट हैं जिन्होंने 3-3 गोल्ड मेडल व्यक्तिगत इवेंट में अपने नाम किए हैं। इसमें यूएसए के टोरी हुस्के, सिमोन बाइल्स और गैबी थॉमस, ऑस्ट्रेलिया की मोली ओकैलाघन। एक ओलंपिक में सबसे ज्यादा व्यक्तिगत गोल्ड मेडल जीतने का रिकॉर्ड माइकल फेल्प्स के नाम पर है जिन्होंने साल 2008 के ओलंपिक में कुल 8 व्यक्तिगत गोल्ड मेडल जीते थे।

सितंबर में शुरू होगी पहली वैश्विक महिला कबड्डी लीग

नई दिल्ली,11 अगस्त 2024। वैश्विक स्तर पर कबड्डी को बढ़ावा देने के उद्देश्य से, पहली वैश्विक महिला कबड्डी लीग सितंबर 2024 में आयोजित की जाएगी। लीग 15 से अधिक देशों की महिला एथलीटों को एक साथ लाएगी, क्योंकि ग्लोबल प्रवासी महिला कबड्डी लीग (जीपीकेएल), अपनी तरह का पहला

टूर्नामेंट शुरू हो रहा है। ग्लोबल प्रवासी महिला कबड्डी लीग का उद्देश्य कबड्डी को अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर बढ़ावा देना है, जो ओलंपिक खेलों में कबड्डी को शामिल करने की दिशा में एक बड़ा कदम है और 2036 में इस ऐतिहासिक आयोजन की मेजबानी के लिए भारत की बोली का समर्थन करता है। होलिस्टिक इंटरनेशनल प्रवासी स्पोर्ट्स एसोसिएशन द्वारा वर्ल्ड कबड्डी के सहयोग से आयोजित इस लीग में हाल ही में एचआईपीएसए और हरियाणा सरकार के बीच एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए। लीग को हरियाणा में भी शुरू करने की तैयारी है, ताकि वैश्विक स्तर पर महिला कबड्डी को बढ़ावा दिया जा सके और विकसित किया जा सके। ग्लोबल प्रवासी महिला कबड्डी लीग में 15 से अधिक देशों की टीमें भाग लेंगी। इंग्लैंड, पोलैंड, अर्जेंटीना, कनाडा और इटली जैसे देशों सहित विविध पृष्ठभूमि के एथलीटों ने लीग में भाग लेने की इच्छा व्यक्त की है।

पीआर श्रीजेश क्या संभालेंगे जूनियर हॉकी टीम का कोच पद?

पेरिस,11 अगस्त 2024। भारतीय हॉकी टीम ने पेरिस ओलंपिक 2024 में शानदार प्रदर्शन करते हुए ब्रॉन्ज मेडल को अपने नाम किया। वहीं टीम इंडिया की इस बेहतरीन जीत में अनुभवी गोलकीपर पीआर श्रीजेश की भूमिका सबसे अहम रही जिन्होंने दबाव में भी बेहतरीन प्रदर्शन किया। श्रीजेश ने इस ओलंपिक के शुरू होने से पहले ही ये ऐलान कर दिया था कि ये उनके करियर का आखिरी टूर्नामेंट होगा। हॉकी इंडिया ने श्रीजेश के संन्यास लेने के साथ उन्हें एक बड़ी जिम्मेदारी देने का भी ऐलान कर दिया जिसमें उन्हें भारतीय जूनियर हॉकी टीम का नया हेड कोच भी बनाया गया है। अब इसको लेकर श्रीजेश की तरफ से भी बड़ा बयान आया है।

परिवार से बात करके लूंगा आगे इसपर फैसला

पीआर श्रीजेश ने पीटीआई को दिए अपने इंटरव्यू में जूनियर हॉकी टीम के कोच बनाए जाने पर कहा कि मुझे हॉकी इंडिया की तरफ से ऑफर मिला है और मैंने इसपर जनरल सेक्रेट्री भोला

नाथ सिंह से बात की है। मैं जब वापस देश लौटूंगा तो उसके बाद परिवार से बात करने के बाद इस ऑफर को लेकर फैसला करूंगा। वहीं श्रीजेश ने जर्मनी के खिलाफ सेमीफाइनल हार को लेकर भी कहा कि हां वह हार हमारे लिए जरूर निराशाजनक थी लेकिन हम कम से कम एक मेडल जीतकर वापस लौट रहे हैं जो हम सभी के लिए एक बड़ी चीज है।

आप दबाव को किस तरह से संभालते हैं इसपर काफी कुछ निर्भर करता है

ओलंपिक में खेलने के दबाव को लेकर पीआर श्रीजेश ने कहा कि आप इस स्तर पर दबाव को कैसे संभालते हैं सारी चीजें इसी पर निर्भर करती हैं। हम पूरे साल हॉकी खेलते हैं। ओलंपिक भी ऐसा ही है लेकिन जब आप यहां आते और खेलते हैं तो आपको असली दबाव के बारे में पता चलता है। हमें आने वाले खिलाड़ियों को इसको लेकर तैयार करना होगा ताकि उनके लिए चीजें थोड़ा आसान हो जाएं।

अब त्रिपुरा की टीम से क्रिकेट खेलेगा मनदीप सिंह

14 साल पुराना नाता तोड़कर किया बड़ा ऐलान

जालंधर,11 अगस्त 2024। भारतीय बल्लेबाज मनदीप सिंह ने पंजाब क्रिकेट एसोसिएशन से अलग होने की घोषणा की है। उन्होंने घरेलू क्रिकेट में पंजाब की टीम से 14 साल तक क्रिकेट खेला। अब वह त्रिपुरा की टीम से खेलते हुए नजर आएंगे। इस बात का ऐलान उन्होंने खुद सोशल मीडिया के जरिए किया है। मनदीप ने भारत की तरफ से 2016 में जिम्बाब्वे के खिलाफ तीन टी20 इंटरनेशनल मैच खेले थे।

पंजाब की टीम से अलग होने की घोषणा की

मनदीप सिंह ने इंस्टाग्राम पर अपने फैसले की घोषणा करते हुए लिखा कि पंजाब के साथ जूनियर स्तर से लेकर सीनियर स्तर तक मेरी यात्रा शानदार रही। मैं भाग्यशाली था कि मेरे कप्तान रहते हुए टीम ने 2023-

24 के सीजन में सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी जीती। लेकिन काफी सोच विचार करने के बाद मुझे लगा कि अब अपने करियर का नया अध्याय शुरू करने का समय आ गया है और इसलिए मैंने अगले घरेलू सीजन में त्रिपुरा की तरफ से खेलने का फैसला किया है। मैं पीसीए के सचिव दिलशेर खन्ना, युवराज सिंह और हरभजन सिंह की सालों तक उनके निरंतर समर्थन के लिए सराहना करना चाहता हूं। मैं पीसीए प्रबंधन के सदस्यों और उन कर्मचारियों को भी धन्यवाद देना चाहता हूं जो वर्षों से मेरे साथ रहे हैं।

बांग्लादेश के खिलाफ खेलेगी टीम इंडिया

ढाका,11 अगस्त 2024। भारतीय टीम ने हाल ही में श्रीलंका के खिलाफ वनडे और टी20 सीरीज खेली। टी20 सीरीज में टीम इंडिया ने 3-0 से क्लीन स्वीप किया, तो वहीं वनडे सीरीज में मन मुताबिक परिणाम नहीं मिल पाया। वनडे सीरीज में टीम इंडिया को 0-2 से हार झेलनी पड़ी। अब रोहित एंड कंपनी अगले एक महीने तक कोई भी इंटरनेशनल मैच नहीं खेलेगी। भारतीय टीम सीधे सितंबर में बांग्लादेश के खिलाफ टेस्ट सीरीज खेलेगी। इसके बाद टी20 सीरीज होगी।

19 सितंबर को खेला जाएगा पहला टेस्ट मैच

टेस्ट और टी20 सीरीज खेलने के लिए बांग्लादेश की टीम भारत दौर पर आएगी। पहला टेस्ट मैच 19 सितंबर को चेन्नई के मैदान पर खेला जाएगा। फिर दूसरा टेस्ट 27 सितंबर से शुरू होगा। ये मुकाबला कानपुर में खेला जाएगा। दोनों ही टेस्ट मैच भारतीय समयानुसार सुबह 9.30

बजे से शुरू होंगे। टेस्ट सीरीज वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप का हिस्सा है।

डब्ल्यूटीसी प्वाइंट्स टेबल में पहले नंबर पर है भारत

वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप की प्वाइंट्स टेबल में भारतीय टीम पहले पायदान पर मौजूद है। टीम ने अभी तक 9 मैच खेले हैं, जिसमें से 6 में जीत दर्ज की है और 2 में हार झेलनी पड़ी है। भारत का पीसीटी 68.51 है। वहीं बांग्लादेश की टीम 8वें नंबर पर मौजूद है। टीम ने अभी तक चार मुकाबले खेले हैं, जिसमें से सिर्फ एक ही जीता है। टीम का पीसीटी 25.00 है। ऐसे में होने वाली टेस्ट सीरीज दोनों टीमों के लिए अहम है। भारतीय टीम और बांग्लादेश के बीच तीन टी20 मैचों की सीरीज खेलेगी। पहला मुकाबला 6 अक्टूबर को, दूसरा 9 अक्टूबर को और तीसरा मैच 12 अक्टूबर को खेला जाएगा।

भारत बनाम बांग्लादेश के बीच टेस्ट सीरीज का शेड्यूल

पहला टेस्ट मैच - 19 सितंबर से 23 सितंबर, सुबह 9.30 बजे, चेन्नई
दूसरा टेस्ट मैच - 27 सितंबर से 1 अक्टूबर, सुबह 9.30 बजे, कानपुर
भारत बनाम बांग्लादेश के बीच टी20 सीरीज का शेड्यूल
पहला टी20 मैच - 6 अक्टूबर, शाम 7.00 बजे, धर्मशाला
दूसरा टी20 मैच - 9 अक्टूबर, शाम 7.00 बजे, दिल्ली
तीसरा टी20 मैच - 12 अक्टूबर, शाम 7.00 बजे, हैदराबाद

लिन यू टिंग ने महिलाओं की 57 किग्रा मुक्केबाजी में स्वर्ण पदक जीता

पेरिस,11 अगस्त 2024। चीनी ताइपे की लिन यू टिंग ने लिंग पात्रता पर चल रहे विवाद के बावजूद पेरिस ओलंपिक में महिलाओं की 57 किग्रा भार वर्ग की मुक्केबाजी में स्वर्ण पदक जीता। ताइपे की मुक्केबाज ने स्टेड रोलैंड-गैरोस में पोलैंड की जूलिया सेरेमेटा को 5-0 के सर्वसम्मत निर्णय से हराया, एक दिन पहले अल्जीरियाई मुक्केबाज इमान खलीफ लिंग विवाद के बीच वेल्टरवेट चैंपियन बनी थीं। दो बार की विश्व चैंपियन लिन के लिए यह एक ऐतिहासिक क्षण था, जो ओलंपिक खेलों में स्वर्ण पदक जीतने वाली चीनी ताइपे की पहली मुक्केबाज बन गईं। वह 20 वर्षीय पोलिश मुक्केबाज के खिलाफ सबसे पसंदीदा थीं। लिन ने इस फाइनल में न केवल अपनी लंबी पहुंच का इस्तेमाल किया, बल्कि उन्होंने भारी शॉट्स के साथ करीब से कदम रखा और चीनी ताइपे को ओलंपिक मुक्केबाजी में पहला स्वर्ण पदक दिलाया।

लिन पेरिस में प्रतिस्पर्धा करने वाली दो मुक्केबाजों में से एक हैं, जिन्हें पिछले साल अंतर्राष्ट्रीय मुक्केबाजी संघ (आईबीए) द्वारा लिंग पात्रता परीक्षण में विफल होने के बाद विश्व चैंपियनशिप से अयोग्य घोषित किए जाने के बावजूद प्रतिस्पर्धा करनी पड़ी।

मुकेश खन्ना का खुलासा-राज कुमार ने छुपाई थी कैंसर की बात

अपने बेबाक अंदाज के लिए मशहूर मुकेश खन्ना अब एक इंटरव्यू को लेकर चर्चा में हैं, जिसमें उन्होंने बीते जमाने के दिवंगत सुपरस्टार राज कुमार के बारे में बात की है। मुकेश खन्ना ने राज कुमार के साथ बिताए वक्त और 60-70 के दशक के कई दिलचस्प किस्से बताए हैं। लेकिन एक किस्सा उनकी मौत का भी सुनाया है, जो रोंगटे खड़े कर देता है। मुकेश खन्ना ने बताया कि राज कुमार ने फिल्म इंडस्ट्री से अपने कैंसर की बात छुपाकर रखी थी और किसी को पता चलने से पहले अपना अंतिम संस्कार चाहते थे। पाकीजा, हीर रांझा, तिरंगा, सौदागर और वक्त जैसी कई ब्लॉकबस्टर फिल्में देने वाले राज कुमार का साल 69 की उम्र में निधन हो गया था। वह अपने डायलॉग बोलने की यूनीक अंदाज के लिए जाने जाते थे। यही नहीं, दूसरे एक्टर्स संग उनके बड़बोले अंदाज के भी किस्से काफी मशहूर थे। पर राज कुमार चाहते थे कि उनकी मौत की खबर इंडस्ट्री में फैलने से पहले ही उनका अंतिम संस्कार कर दिया जाए। मुकेश खन्ना ने इस बारे में बताया कि राज कुमार इतने निजी किस्म के इंसान थे कि अपने कैंसर की बात भी सबसे छुपाई थी। घरवालों से कह दिया था कि उनके मरने के बाद उनका अंतिम संस्कार फिल्म इंडस्ट्री को पता चलने से पहले कर दिया जाए। वह नहीं चाहते थे कि उनके अंतिम संस्कार में कोई भी आए। राज कुमार का साल 1969 में निधन हो गया था। मुकेश खन्ना ने फिर राज कुमार के ऑरा के बारे में बात की। उन्होंने बताया कि सेट पर कैसा माहौल रहता था। मुकेश खन्ना के मुताबिक, राज कुमार ने एक बार राजेश खन्ना और जितेंद्र की तुलना जूनियर आर्टिस्ट्स से कर दी थी। मुकेश खन्ना ने बताया, जब राज कुमार एक बार सेट की ओर जा रहे थे, तो उन्होंने राजेश खन्ना, जीतेंद्र और कुछ अन्य एक्टर्स को वहां खड़े देखा। फिर वह डायरेक्टर के पास गए और कहा कि काफी जूनियर आर्टिस्ट जमा करके रखे हुए हैं आपने। इसी तरह उन्होंने जीनत अमान के लिए कहा था कि जानी, तुम्हें तो फिल्मों में होना चाहिए था।

रवीना टंडन का करिश्मा कपूर के साथ एयरपोर्ट पर हुआ था झगड़ा?

रवीना टंडन और करिश्मा कपूर की 90ह्य की टॉप स्टार्स थीं। हर कोई उनके साथ काम करने को बेताब रहता था। लेकिन उस दौरान रवीना टंडन और करिश्मा के आपसी झगड़े और मनमुटाव की भी काफी खबरें थीं। फिल्म अंदाज अपना अपना की शूटिंग के दौरान तो रवीना और करिश्मा की आपस में बातचीत भी नहीं होती थी। रिपोर्ट्स के मुताबिक, फिल्म आतिश के सेट पर भी रवीना टंडन और करिश्मा का झगड़ा हुआ था। अब एक इंटरव्यू में रवीना टंडन ने इस पर सफाई दी है, और कहा है कि उनके और करिश्मा के बीच कभी कोई लड़ाई नहीं हुई।90 के दशक तक हीरोइनों के बीच कैटफाइट्स और झगड़े की खूब खबरें आती थीं। रवीना टंडन औरकरिश्मा कपूर को लेकर भी ऐसी ही खबरें थीं। उन्हीं पर रवीना ने फिल्मफेयर से बातचीत में चुप्पी तोड़ी और कहा कि हीरो के बीच तो हाथापाई तक हो जाती थी, लेकिन हीरोइनों की लड़ाई सिर्फ मौखिक रूप से सहमति जताने तक सीमित

थी।रवीना टंडन ने कहा, मेरी आज भी पूजा भट्ट, जूही चावला, माधुरी दीक्षित और शिल्पा शेट्टी से दोस्ती है। मेरे और करिश्मा के बीच कोई कैटफाइट नहीं हुई थी। बस इसे मसालेदार गॉसिप बनाकर पेश किया गया। उन दिनों सोशल मीडिया जैसी चीज भी नहीं थी, जहां आप अपनी बात रख पाएं। हमेशा ऐसा क्यों कहा जाता है कि हीरोइनों के बीच कैटफाइट हुई? ये आपसी केमिस्ट्री की बात होती है, जो आज भी नजर आती है। लेकिन कुछ ऐसे भी हैं, जो तब भी असुरक्षित थे और अब भी असुरक्षित हैं। वो उन रिश्तों को निभाने में सक्षम नहीं हैं। रवीना ने करिश्मा को लेकर आगे कहा, हम अब भी मिलते हैं, और हमारी बातचीत होती है। तो जाहिर तौर पर, हमारी कोई कैटफाइट नहीं होती थी। वहीं, जब रवीना टंडन से आतिश के शूट के दौरान एयरपोर्ट पर हुए झगड़े के बारे में पूछा गया, तो वह बोलीं, वह कभी कैटफाइट नहीं थी। मैं ऐसा नहीं मानती। कभी कैटफाइट नहीं हुई।

कार्यालय पंजीयक लोक न्यास अनुविभाग अम्बिकापुर सरगुजा (छ0ग0)

पारूप-चार
(नियम 3(1)देखिए)

छत्तीसगढ़ लोक न्यास अधिनियम 1951(1951 का 30) की धारा 5 की उपधारा(2) तथा छत्तीसगढ़ लोक न्यास नियम 1962 के नियम 5 का उप नियम (1) देखिए।

अम्बिकापुर दिनांक 08/08/2024

क्रमांक 3869/वाचक-1/2024:: यह कि लेखराज अग्रवाल आ0 किशन गोपाल अग्रवाल, उम्र-64 वर्ष निवासी वार्ड क्रमांक-27 विजय मार्ग संगम चौक अम्बिकापुर तहसील अम्बिकापुर जिला सरगुजा (छ0ग0) ने छ0ग0 लोक न्यास अधिनियम 1951 (1951 का 30) की धारा 4 के अधीन अनुसूची में लोक न्यास की तरह विनिर्दिष्ट की गई सम्पत्ति के पंजीयन के लिए आवेदन किया है। एतद् द्वारा सूचना दी जाती है कि आवेदन मेरे न्यायालय में दिनांक 09/09/2024 को विचार के लिए लिया जाएगा।

अतः मैं फागेश सिन्हा अनुविभाग अम्बिकापुर के लोक न्यासों के पंजीयक अपने न्यायालय में दिनांक 09/09/2024 को उक्त अधिनियम की धारा 5 की उपधारा (1) में अपेक्षित जांच करना प्रस्तावित करता हूं।

अतः एतद् द्वारा सूचना दी जाती है कि उक्त न्यास या सम्पत्ति का कोई न्यासधारी या कार्यकारी न्यासधारी या उसमें हित रखने वाले और किसी मत या सुझाव प्रस्तुत करने का विचार रखने वाले व्यक्ति को इस सूचना के प्रकाशन के दिनांक से एक माह के भीतर दो प्रतियों में लिखित कथन प्रस्तुत करें और मेरे न्यायालय में समक्ष में उपरोक्त दिनांक को या तो व्यक्तिशः या अभिभाषक या अभिकर्ता के द्वारा उपस्थित होना चाहिए। उपरोक्त अवधि समाप्त होने के पश्चात प्राप्त आपत्तियों को विचार के लिए ग्रहण नहीं किया जाएगा।

::अनुसूची::
(लोक न्यास का नाम पता व सम्पत्ति का विवरण)

1. लोक न्यास का नाम व पता - मां भीमेश्वरी बेरीवाली सेवा ट्रस्ट सरगुजा संभाग पता-कुण्डला सिटी खरसिया रोड अम्बिकापुर तहसील अम्बिकापुर
2. जिला - सरगुजा
3. चल सम्पत्ति - निरंक
4. अचल सम्पत्ति - निरंक

जारी दिनांक 08/08/2024

(फागेश सिन्हा)
पंजीयक लोक न्यास
अनुविभाग अम्बिकापुर

सील

खुला पत्र

तुगलकी फरमान के विरूद्ध कलमबंद अभियान

छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री के विभाग जनसंपर्क के द्वारा स्वास्थ्य मंत्री श्री श्यामबिहारी जायसवाल के विभाग के संबंधित समाचारों के प्रकाशन पर जनसंपर्क संचनालय के आयुक्त सह संचालक आईपीएस श्री मयंक श्रीवास्तव के मौखिक आदेश पर घटती-घटना के शासकीय विज्ञापन पर रोक लगाकर दबाव बनाने से लोकतंत्र के चौथे स्तंभ के मूलभूत हक पर कुठाराघात के विरूद्ध कलमबंद अभियान...के पन्द्रहवें दिन भी केंद्र सरकार से अनुमोदित विज्ञापन नियमावली के आदेश को ठेंगा दिखाने वाले जनसंपर्क विभाग के द्वारा कोई प्रतिक्रिया नहीं देने के पीछे किसका हाथ...

क्या छापें स्वास्थ्य मंत्री जी?

क्या छापें आयुक्त सहसंचालक आईपीएस मयंक श्रीवास्तव जी?

क्यूं न लिखें सच?

माननीय मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय जी 25 जून को संविधान हत्या दिवस छत्तीसगढ़ में नहीं मनाया जायेगा क्या?

इमरजेंसी पर बात...हर बात पर आरोप...तो छत्तीसगढ़ में एक आईपीएस के तुगलकी फरमान पर आदिवासी अंचल से विगत 20 वर्षों से प्रकाशित अखबार पर क्यों किया जा रहा है जुर्म...?

क्यों कलमबंद आंदोलन के लिए विवश होना पड़ा एक दैनिक अखबार को...?

छत्तीसगढ़ सरकार घर तोड़िए या कार्यालय तोड़िए...इंकलाब होता रहेगा इंसाफ तक...

अब तो बताईए मुख्यमंत्री जी...क्या छापें?

घटती-घटना के स्नेही पाठकों,विज्ञापनदाताओं एवं शुभचिंतकों को हो रही असुविधा के लिए खेद है...

संपादक :- अविनाश कुमार सिंह

प्रकाशक,मुद्रक,स्वामी अविनाश कुमार सिंह के द्वारा साई ऑफसेट प्रिंटर्स,नमनाकला,संत हरकेवल विद्यापीठ के पास,अम्बिकापुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-अविनाश कुमार सिंह* (पी.आर.बी.कानून के अनुसार संपूर्ण संपादकीय दायित्व के लिए जिम्मेदार)
RNI Reg.No.CHHHIN/2004/15050मो. 94062-23001,98265-32611,Email:ghatatighatana11@ gmail.com,Website:www.ghatatighatana.com, (सभी विवादों का न्याय क्षेत्र अम्बिकापुर न्यायालय मान्य होगा)